कानपुर, बुधवार, 07 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 11, पृष्ठः 8+4
प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड बीपीएल से भारतीय एंकर हटाई गई >Pg12

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म में पुलिसकर्मी भी... > Pg03

मूल्यः 2 ₹

फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास एमसीडी की कार्रवाई, आधीरात को शुरू हुआ अतिक्रमण हटाओ अभियान

दिल्ली में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर पुलिस पर की गई पत्थरबाजी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में मंगलवार देर रात उस समय तनाव फैल गया, जब नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) ने फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास बने अवैध निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की। दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों के तहत चल रहे इस अभियान के दौरान अचानक हालात बिगड़ गए और पुलिस पर पथराव किया गया, जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए।

अधिकारियों के मुताबिक बुधवार सुबह से पहले अभियान को पूरा करने के उद्देश्य से कार्रवाई आधीरात में ही शुरू कर दी गई थी। यह अतिक्रमण हटाओ अभियान रामलीला मैदान के पास, तुर्कमान गेट क्षेत्र में चलाया गया। लेकिन कार्रवाई के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने अचानक पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

पूरे इलाके को नौ जोनों में बांटा

आईपीएस मधुर वर्मा ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। पूरे इलाके को नौ जोनों में बांटा गया था और प्रत्येक जोन की निगरानी अतिरिक्त उपायुक्त स्तर के अधिकारी कर रहे थे। संवेदनशील बिंदुओं पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इसके अलावा कार्रवाई से पहले अमन कमेटी और स्थानीय लोगों के साथ कई दौर की बैठकें भी की गई थीं।

अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

पुलिस का कहना है कि पत्थरबाजी में शामिल लोगों की पहचान सीसीटीवी फुटेज के जरिए की जाएगी। घायल पुलिसकर्मियों के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियात के तौर पर इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

➪ **दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर कार्रवाई, सीसीटीवी फुटेज से पत्थरबाजों की पहचान में जुटी पुलिस**

महिला आईएएस का घर किराए पर लेकर चला रहा था देह व्यापार का अड्डा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

प्रयागराज। प्रयागराज जिले के कीडगंज इलाके में पुलिस ने देह व्यापार के एक संगठित गिरोह का खुलासा करते हुए सरगना समेत नौ लोगों को आपत्तिजनक हालत में गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई स्थानीय लोगों की शिकायत पर की गई। आरोपी ने एक महिला आईएएस अधिकारी के नाम से जुड़े आवास को परिवार के साथ रहने के बहाने किराए पर लिया था, जहां अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। स्पष्ट किया गया है कि महिला अधिकारी का इस पूरे मामले से कोई संबंध नहीं है।

पुलिस के मुताबिक करीब तीन महीने पहले सर्वेश द्विवेदी नाम के व्यक्ति ने 15 हजार रुपये प्रतिमाह किराए पर मकान लिया था। उसने खुद को पारिवारिक व्यक्ति बताते हुए मकान मालिक को भरोसे में लिया। लेकिन कुछ ही दिनों में देर रात युवक-युवतियों के आने-जाने और संदिग्ध गतिविधियों को लेकर मोहल्ले के लोगों को शक होने लगा। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की। दबिश के दौरान मकान के अलग-अलग कमरों से चार युवतियां और पांच युवक, जिनमें गिरोह का सरगना भी शामिल है, आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और देह व्यापार अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह गिरोह किराए के मकानों को निशाना बनाकर इस तरह की गतिविधियां चला रहा था। मामले में आगे की जांच की जा रही है, यह भी पता लगाया जा रहा है कि इसके तार किसी बड़े नेटवर्क से जुड़े हैं या नहीं।

अमरोहा में मोबाइल देखते समय 10 साल के बच्चे की संदिग्ध मौत

➪ **पलंग से अचानक गिरकर अचेत हुआ था मासूम, मोबाइल उपयोग को लेकर उठे सवाल**

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां मोबाइल देखते समय पलंग पर बैठे 10 वर्षीय छात्र की अचानक मौत हो गई। पूरी तरह स्वस्थ बताए जा रहे बच्चे की इस तरह अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मच गया है, जबकि गांव में भी शोक का माहौल है।

यह घटना मंडी धनौरा क्षेत्र के जुझैला गांव की है। दीपक कुमार का बेटा मयंक गांव कैसरा स्थित एक विद्यालय में कक्षा चार का छात्र था। मयंक घर पर ही पलंग पर बैठकर मोबाइल देख रहा था। इसी दौरान वह अचानक पीछे की ओर गिर पड़ा और बेहोश हो गया। परिजन उसे तुरंत डॉक्टर के पास ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रथम दृष्टया डॉक्टरों ने मौत का कारण हृदय गति रुकना बताया है, हालांकि परिजनों का कहना है कि मयंक पूरी तरह स्वस्थ था और उसे किसी तरह की बीमारी नहीं थी। अचानक हुई इस घटना ने सभी को हैरान कर दिया है।

सीएचसी प्रभारी डॉ. राहुल कुमार ने बताया कि छोटे बच्चों का मस्तिष्क पूरी तरह विकसित नहीं होता है और अधिक मोबाइल इस्तेमाल नुकसानदायक हो सकता है। उनके अनुसार, मोबाइल से निकलने वाली रेडिएशन दिमाग और कानों पर असर डाल सकती है। साथ ही उन्होंने आशंका जताई कि मोबाइल देखते समय पलंग से गिरने के कारण हेड इंजरी भी मौत की वजह हो सकती है, जिसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो पाएगी। यह घटना बच्चों में मोबाइल के बढ़ते इस्तेमाल और उसके संभावित खतरों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

नो मैपिंग की नोटिस आए तो न हों पैनिक

111 थर्ड जेंडर मतदाता, मतदाता सूची का ड्राफ्ट लिस्ट जारी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।अगर आपके पास नो मैपिंग को लेकर कोई नोटिस आ रही है तो पैनिक न हों, संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को आयोग द्वारा निर्धारित 13 प्रकार के अभिलेखों में से कोई एक अभिलेख दिखाकर निस्तारण कर दिया जाएगा। जिले में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची का ड्राफ्ट लिस्ट जारी कर दी गई।

उप-जिला निर्वाचन अधिकारी डा.विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि नो मैपिंग पर बीएलओ नोटिस लेकर जाएंगे। जिनको नई वोटर आईडी बनवानी हो वह फार्म छह भरकर जमा कर दें। प्रत्येक मतदाता अपने बूथ, तहसील और कलक्ट्रेट के साथ ही निर्वाचन कार्यालय में इस सूची को देख सकता है। आगामी छह फरवरी तक दावे और आपत्तियां मांगी गई हैं। इस दौरान जो भी सही मतदाता होंगे उनके नाम जोड़ने, हटाने के साथ ही नाम-पते में संशोधन के आवेदन भी लिए जाएंगे।

जनता के लिए एसआइआर की कॉपी प्रकाशित कर दी है। यह प्रकाशित लिस्ट मतदेय स्थलों, संबंधित बीएलो, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय तथा जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध है। साथ ही यह डीईओ-एनआईसी

पोर्टल पर निर्वाचक नामावली उपलब्ध है। वहीं प्रकाशित मतदाता सूची की हार्ड एवं साफ्ट कॉपी सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों को उपलब्ध करा दी गयी है।

27 फरवरी तक शिकायतों के निस्तारण कर दिया जाएगा, इसके बाद तीन मार्च आयोग से अंतिम प्रकाशन की अनुमति लेने के साथ ही अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन छह मार्च को किया जाएगा। छह फरवरी तक आनलाइन व आफलाइन नाम जोड़ने के लिए फार्म छह के साथ ही अन्य फार्म स्वीकार किए जाएंगे।

कानपुर में 2003 की वोटर लिस्ट के हिसाब से 35 लाख 38 हजार 261 के करीब मतदाताओं पर एसआईआर कराया गया है। इसमें कानपुर में 9 लाख दो हजार 148 वोट कटे हैं। इसके अलावा जिले में दो लाख सात हजार 661 वोटर नो मैपिंग की कैटेगरी में भी हैं। जो कि कुल प्रतिशत का 5.87 प्रतिशत है।

पहले कानपुर में 3538261 मतदाता थे। अब 2636111 मतदाता बचे हैं। करीब 25.50 प्रतिशत वोट कटे हैं। अब लोग चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं। जिन लोगों के नाम नहीं हैं, वे 6 फरवरी तक दावे-आपत्तियां कर सकते हैं।

कल्याणपुर में सबसे ज्यादा और बिठूर में सबसे कम वोट कटे सबसे ज्यादा वोट कल्याणपुर विधानसभा में कटे हैं। इस विधानसभा में तीन लाख 67 हजार 699 वोट हैं, जिसमें अब 241741 वोट बचे हैं। इसके अलावा 125958 वोट कम हुए हैं। कम हुए वोट कुल प्रतिशत का 34.26 प्रतिशत है। सबसे कम वोट बिठूर विधानसभा में कटे हैं।

यहां कुल तीन लाख 72 हजार 66 वोट थे जो कि अब तीन लाख 24 हजार 295 हो गए हैं। यहां 47771 वोट कम हुए हैं जो कि प्रतिशत के हिसाब से 12.84 प्रतिशत हैं। इस प्रकार कुल मतदाताओं की संख्या 26,36,113 है, जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या-14,32,050, महिला मतदाताओं की संख्या 12,03,952, थर्ड जेण्डर मतदाताओं की संख्या-111 है।

कानपुर की स्थिति विधानसभा वार

» मतदाता सूची (ड्राफ्ट) का प्रकाशन विधान सभावार

» बिल्हौर (अजा)-322155,

» बिठूर-324295,

» कल्याणपुर-241741

» गोविन्द नगर-239636

» सीसामाऊ-199010

» आर्यनगर-203807

» किदवई नगर-250841

» कानपुर कैण्ट-242357

» महाराजपुर-330321

» घाटमपुर (अजा)-281950

जिलाधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में बीएलओ की भूमिका को सराहा

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत ड्राफ्ट निर्वाचक नामावली के सफल प्रकाशन के उपरांत बूथ लेवल अधिकारियों के कार्य की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि घर-घर सत्यापन, मतदाता विवरण के अद्यतन और समयबद्ध डाटा संकलन में बीएलओ की मेहनत के कारण ही यह महत्वपूर्ण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा हो सका। जिलाधिकारी ने बीएलओ को निर्वाचन प्रक्रिया की जमीनी कड़ी बताते हुए उनके योगदान को लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

नेपाल से 10 लाख की चरस लेकर आए दो युवक गिरफ्तार

कई युवकों के शामिल होने की आशंका

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। क्राइम ब्रांच ने नेपाल और बिहार से तस्करी कर लाई गई चार किलो चरस के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है।

चरस की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये है। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।डीसीपी क्राइम अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि क्राइम ब्रांच को काफी समय से नशीले पदार्थों की तस्करी की सूचनाएं मिल रही थी। देर रात बिधनू में सौदा होने की जानकारी मिली थी।

इस पर क्राइम ब्रांच की टीम ने बिधनू के मटियारा गांव से जूही बसंती नगर के मोहम्मद मेहताब और चमनगंज के वसीम हसन को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से करीब चार किलो चरस बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि बिहार के बेतिया जिले में चच्चा नाम के शख्स से चरस लेकर लेकर आते हैं। इसी तरह नेपाल में भी कुछ लोग चरस देते हैं। इन नशीले पदार्थों को शहर के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई किया जाता है। मेहताब पर जूही व बिधनू में दो और वसीम पर चमनगंज व बिधनू में तीन एफआईआर दर्ज हैं।

सरसौल पॉवर हाउस में सेंधमारी. डीजल का पीपा चोरी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सरसौल पॉवर हाउस परिसर में खड़ी पिकअप से 50 हजार का सामान और डीजल चोरी हो गया। 10 फीट ऊंची दीवार के बावजूद हुई इस वारदात को महाराजपुर पुलिस संदिग्ध मानकर जांच कर रही है।कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के सरसौल पॉवर हाउस में हजारों की चोरी से हड़कंप मच गया। विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने देखा कि रात में रखे गए उपकरण और डीजल का पीपा गायब है। कात्यायनी कंट्रशन प्राइवेट लिमिटेड के सुपरवाइजर दिलीप ने बताया कि उनकी पांच सदस्यीय टीम विद्युत वितरण उपखंड सरसौल में कार्य कर रही थी। रात को खाना खाने के बाद सभी लोग कमरे में सो गए। सुबह उठने पर देखा कि पिकअप में रखा सामान बिखरा पड़ा है।

जांच करने पर ड्रिल मशीन, कटर टूल्स और तीस लीटर डीजल का पीपा गायब मिला, जबकि केबिल पॉवर हाउस के पीछे पड़ी मिली। चोरी गए सामान की कीमत लगभग पचास हजार रुपये बताई गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि पॉवर हाउस चारों ओर से दस फीट ऊंची दीवार से घिरा है।

फेस अटेंडेंस को लेकर नगर निगम कर्मचारियों के वेतन भुगतान का रास्ता साफ

कर्मचारी नेताओं की मांग पर नगर आयुक्त ने कहा कि 2 दिन में जारी जाएगा वेतन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर नगर निगम कर्मचारी संघ के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त से मुलाकात कर कर्मचारियों का वेतन अब तक जारी न होने का मुद्दा उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों की आर्थिक परेशानियों से अवगत कराते हुए तत्काल वेतन भुगतान की मांग रखी।

नगर आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर नगर आयुक्त आवेश खान को तत्काल प्रभाव से सभी कर्मचारियों का वेतन आज ही जारी करने के निर्देश दिए। आदेश जारी होते ही कर्मचारियों में राहत की लहर दौड़ गई।

इस अवसर पर कर्मचारी नेताओं ने नगर आयुक्त के प्रति आभार व्यक्त करते हुए फेस अटेंडेंस प्रणाली में आ रही तकनीकी खामियों की ओर ध्यान दिलाया। नेताओं ने बताया कि फेस अटेंडेंस सही ढंग से कार्य नहीं कर रहा है, जिससे कर्मचारियों को अनावश्यक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जल्द से जल्द इस व्यवस्था में सुधार की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में कर्मचारी संघ अध्यक्ष मुन्ना हजारिया, महामंत्री रमाकांत मिश्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीलू निगम, पूर्व अध्यक्ष देवीदीन भाऊ, उपाध्यक्ष नरेंद्र खन्ना, उपाध्यक्ष रामगोपाल चौधरी, संजय हजारिया, रवि सिंह, पप्पू गुप्ता, संजय मौर्य, दिलीप तांबे, संतोष वाघमार शामिल रहे।

इसके अलावा नगर निगम कर्मचारी यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष कमरुद्दीन, सेनेटरी सुपरवाइजर संघ के महामंत्री उस्मान अली खान, चतुर्थ श्रेणी यूनियन के अध्यक्ष धीरज वाल्मीकि, सफाई मजदूर सभा कानपुर के अध्यक्ष सी एल बड़ेल, आदेश शुक्ला सहित अन्य कर्मचारी नेता भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मशीन की तकनीकी खामी में उलझे नगर निगम के कई कर्मचारी

नगर निगम में तत्कालीन नगर आयुक्त शिव शरणापा जीएन कार्यकाल में कर्मचारियों की उपस्थिति और हाजिरी सिंडिकेट को खत्म करने के लिए फेस अटेंडेंस सिस्टम शुरू किया गया था। इसके लिए करीब 2 करोड रुपए से अधिक खर्च कर सॉफ्टवेयर बनाया गया। जिससे मुख्यालय और सभी जोन में अटेंडेंस लग रही है लेकिन बताया यह जा रहा है फेस अटेंडेंस में खामियां और तकनीकी समस्याओं से कर्मचारियों को अक्सर परेशान होना पड़ता है, विभागीय सूत्रों का दावा है कि मृत कर्मचारियों को अनुपस्थित दिखाया जा रहा है। कई बार मशीन भी दगा दे जाती है।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म में पुलिसकर्मी भी, लेकिन मुकदमा अज्ञात पर क्यों?

सचेंडी क्षेत्र में अपहरण कर रेप का आरोप, पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। सचेंडी थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ अपहरण और दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने एक पुलिसकर्मी को इस मामले में शामिल बताया है, फिर भी पुलिस ने अज्ञात में मामला दर्ज किया है।

परिजनों के अनुसार, सोमवार रात छात्रा घर से बाहर गई थी, जिसके बाद देर रात वह घर के बाहर अचेत अवस्था में मिली। होश में आने पर छात्रा ने परिजनों को आपबीती बताई। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। परिवार का आरोप है कि प्रारंभिक स्तर पर पुलिस कार्रवाई में देरी हुई, जिसके बाद वे मंगलवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के पास पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया।

पीड़िता के परिजनों ने आरोप लगाया है कि घटना में शामिल व्यक्तियों में एक के पुलिस से जुड़े होने की बात सामने आ रही है। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल मुकदमा अज्ञात में दर्ज किया गया है और सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जा रही है। डीसीपी वेस्ट ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में की जा रही है। तकनीकी साक्ष्य, मेडिकल रिपोर्ट और बयान के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सुभाषिनी अली ने कठोर कार्रवाई की मांग की

- इस मामले में पूर्व सांसद सुभाषिनी अली ने मीडिया से बात करते हुए कहा, जबसे मुझे इस घटना की जानकारी मिली है, मैं महिला सुरक्षा को लेकर अत्यंत चिंतित हूं। उत्तर प्रदेश बलात्कार जैसी घटनाओं में पूरे देश में पहले नंबर पर है। उन्होंने पुलिस आयुक्त से मुलाकात में आरोपी पुलिसकर्मी और उसके साथी के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई की मांग की।

⇨ पुलिसकर्मी की संलिप्तता के आरोपों की हो रही जांच, वरिष्ठ अधिकारी कर रहे निगरानी

प्रेम कहानी का दर्दनाक अंत ट्रेन की चपेट में आया युवक

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। गोविंद नगर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां प्रेमिका को कपड़े दिलाने बाजार जा रहे युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई, जबकि युवती मामूली रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद घबराई युवती बिना किसी को सूचना दिए मौके से चली गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के क्षत-विक्षत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना कानपुर-झांसी रेलवे ट्रैक के पास की है। पुलिस को घटनास्थल से दो मोबाइल फोन, ईयरबैंड और चप्पल बरामद हुईं। मोबाइल के जरिए सोमवार सुबह मृतक की पहचान 22 वर्षीय सूरज पांडेय के रूप में हुई, जो मूल रूप से सीतापुर के काशीपुर मल्लापुर का रहने वाला था। सूरज दादानगर स्थित सूर्या नमकीन फैक्ट्री में पिछले पांच वर्षों से काम कर रहा था। परिवार में पत्नी कृष्णावती और एक छोटी बेटी रोशनी है।

पुलिस जांच में सामने आया कि सूरज फैक्ट्री में साथ काम करने वाली युवती अन्नू तिवारी के साथ कपड़े खरीदने जा रहा था। अन्नू मूल रूप से कानपुर देहात के रसूलाबाद की रहने वाली है और पिछले दो महीने से दबौली वेस्ट में रह रही थी। युवती ने बताया कि किसी फैक्ट्रीकर्मी की नजर न पड़े, इसलिए दोनों रेलवे ट्रैक के रास्ते जा रहे थे, तभी सूरज ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे के बाद युवती डर के कारण सीधे घर चली गई और किसी को घटना की जानकारी नहीं दी। उधर, सोमवार को जब सूरज ड्यूटी पर नहीं पहुंचा तो फैक्ट्री सुपरवाइजर के फोन करने पर हादसे का खुलासा हुआ। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। मृतक के ममेरे और चचेरे भाइयों ने युवती पर हत्या का आरोप लगाया है। गोविंद नगर थाना प्रभारी रिकेश कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

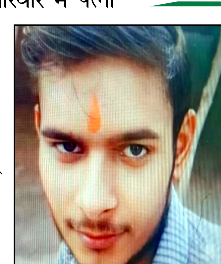

⇨ प्रेमिका को कपड़े दिलाने जा रहा था सूरज, रेलवे ट्रैक से जाते वक्त हुआ हादसा
⇨ परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

युवा सोचें, युवा जागें : वोटर बनें और लोकतंत्र को आगे बढ़ाएँ

» 18 वर्ष पूर्ण कर चुके नागरिक का मतदाता बनना आवश्यक

डीएम ने कहा कि बेहतर भविष्य की सोच के साथ, लोकतंत्र को मजबूत करने का संकल्प–वोटर बनें

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। युवा सोचें, युवा जागें–वोटर बनें और लोकतंत्र को आगे बढ़ाएँ। यह बात डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने सीएसजेएमयू के तात्या टोपे सभागार में कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक की उपस्थिति में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार वे अनुशासन के साथ पढ़ाई कर अपने भविष्य को सशक्त आधार प्रदान करते हैं, उसी प्रकार अपने भविष्य के साथ-साथ देश को एक आधुनिक और सशक्त लोकतांत्रिक शक्ति बनाने के लिए भी उन्हें मतदाता बनकर अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि युवा वर्ग मोबाइल के माध्यम से अथवा अपने नजदीकी मतदान केन्द्र पर जाकर फॉर्म–6 भरकर आसानी से मतदाता पंजीकरण करा सकता है। मतदाता बनकर वे अपनी पसंद की सरकार चुनने के अपने संवैधानिक अधिकार को पहचानें और लोकतंत्र को मजबूत करें।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक 18 वर्ष पूर्ण कर चुके नागरिक का मतदाता बनना आवश्यक है। युवाओं से आह्वान किया गया कि जिस प्रकार वे अपने करियर और भविष्य की योजनाएँ बनाते हैं, उसी प्रकार मतदाता पंजीकरण को भी अपनी जिम्मेदारी समझें।

जिलाधिकारी ने कहाएक वोट आपका हक, आपकी आवाज और आपका कर्तव्य है।उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी पात्र विद्यार्थियों से अपील की कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीकरण कराकर लोकतंत्र के इस महाअभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता दिनांक 01 जनवरी 2026 के आधार पर फोटोयुक्त विधान सभा निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम जनपद कानपुर नगर में संचालित किया जा रहा है।इसके अंतर्गत दावे एवं आपत्तियाँ प्राप्त करने की अवधि 06 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक निर्धारित है।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 06 मार्च 2026 (शुक्रवार) को किया जाएगा।

प्रारूप मतदाता सूची 06 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 के मध्य जनपद के समस्त मतदान केन्द्रों पर अवलोकन हेतु उपलब्ध रहेगी।कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई तथा विश्वविद्यालय परिसर स्थित कैंटीन में नए मतदाताओं के पंजीकरण हेतु फॉर्म–6 वितरण केंद्र का शुभारंभ किया।

कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने कहा कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को एक वृहद स्तर पर करने की आवश्यकता है जिसमें हम कानपुर में पढ़ रहे विद्यार्थियों तक अपनी बात प्रभावी रूप में पहुंचाएं और इस समय डिजिटल युग है

जिसका उपयोग करते हुए मतदाता जागरूकता पर हैकेथन का आयोजन करेंगे जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा हैकेथन में प्रतिभाग करने वाले एवं सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित भी किया जाएगा।

कुलपति विनय पाठक ने कहा कि आज के एआई युग में युवाओं को अपने जनप्रतिनिधि के चयन का अधिकार है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे मतदाता बनकर लोकतंत्र को सशक्त करें और देश को मजबूत बनाने में योगदान दें।

हैलट में दलालों का खेल, हेपेटाइटिस पॉजिटिव को दी फर्जी निगेटिव रिपोर्ट

परिजनों ने दिए लिखित बयान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। हैलट अस्पताल में दलालों ने हेपेटाइटिस-सी पॉजिटिव मरीज की फर्जी निगेटिव रिपोर्ट तैयार कर दी। आधे घंटे में रिपोर्ट मिलने पर शक हुआ और जांच में दलालों के गिरोह का पर्दाफाश हो गया। हैलट में एक बार फिर दलालों के गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। अस्पताल में भर्ती हेपेटाइटिस सी पॉजिटिव रोगी को पैथोलॉजियों के दलाल ने फर्जी हेपेटाइटिस सी निगेटिव रिपोर्ट दे दी। ब्लड सैंपल लेने के आधे घंटे में दलाल ने फर्जी हेपेटाइटिस सी निगेटिव रिपोर्ट लाकर दे दी। एलाइजा जांच में तीन घंटे लगते हैं। मामले का खुलासा सर्जरी विभाग के एक प्रकरण की जांच में हुआ है। परिजनों ने इस संबंध में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज की जांच टीम को लिखित बयान भी दिए हैं।

सर्जरी विभाग में एक रोगी की सर्जरी होनी थी। एक सप्ताह पहले रात को ऑपरेशन के पहले रैपिड कार्ड से जांच की गई तो रिपोर्ट हेपेटाइटिस सी पॉजिटिव मिला। इस पर वायरल लोड आदि की जांच के लिए जूनियर डॉक्टर ने एलाइजा जांच के लिए कहा। इस पर जूनियर डॉक्टर पर आरोप लगा कि उसने बाहर से जांच कराने के लिए कहा। इस पर प्राचार्य ने जांच कमेटी गठित कर दी। मंगलवार को जांच रिपोर्ट मिलने पर खुलासा हुआ कि जूनियर डॉक्टर ने कॉलेज से जांच के लिए कहा था।

एलाइजा जांच में समय लगता है

जूनियर डॉक्टर के पर्चा देते वक्त पैथोलॉजी के दलाल ने पता कर लिया। बाद में आकर रोगी का सैंपल और पैसा ले लिया। इसके आधे घंटे बाद फर्जी हेपेटाइटिस निगेटिव रिपोर्ट लाकर दे दी। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि सर्जरी के पहले हर रोगी की हेपेटाइटिस बी, सी और एचआईवी की रैपिड कार्ड से जांच कराई जाती है। पॉजिटिव आने पर दो–तीन बार जांच करके पुष्टि कर ली जाती है। इसे सत्यापित करने के लिए एलाइजा कराई जाती है। इस जांच में समय लगता है।

सख्ती के अधिकारियों को निर्देश दिए

सूत्रों का कहना है कि दलाल सैंपल लेकर जाते हैं और अपने मन से कंप्यूटर से रिपोर्ट बनाकर दे देते हैं। रोगियों और उनके परिजनों को तो पता नहीं होता। जल्दी रिपोर्ट मिलने के भ्रम में रहते हैं। प्राचार्य डॉ. काला का कहना है कि इससे रोगी और डॉक्टर दोनों को नुकसान होता है। परिजन अस्पताल में जांचों की भरपूर सुविधा है। तीमारदार किसी के झांसे में न आएं। बाहरी लोगों के आने पर सख्ती के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

सम्पादकीय

कानून व्यवस्था की पोल खोलती हत्याएं

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पंजाब में सरेआम की जा रही लक्षित हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दुस्साहसी हत्यारे अपने मंसूबों को अंजाम देकर साफ निकल जाते हैं। यह विडंबना ही है कि पंजाब में नये साल की शुरुआत दिनदहाड़े हुई हत्याओं की एक श्रृंखला के साथ हुई है। अब चाहे लुधियाना जिले में एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी की निर्मम हत्या हो या अमृतसर के मैरिज रिसॉर्ट में एक विधायक के करीबी सरपंच की गोली मारकर बेरहमी से हत्या, इनसे पता चलता है कि पंजाब के अपराधियों में कानून का भय नहीं रह गया। निश्चित रूप से ये घटनाएं पंजाब में गंभीर चुनौती बनती एक जटिल समस्या की ओर इशारा करती हैं। इस चिंताजनक होती स्थिति की वजह लगातार अपराधी गिरोहों के नेटवर्क का मजबूत होना, घातक हथियारों की सहज उपलब्धता और पुलिस बल पर लगातार बढ़ता दबाव भी है। दूसरी ओर विपक्षी दल आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलाए रहते हैं और राजनीतिक लक्ष्यों के लिये मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफे की मांग करते रहते हैं। वहीं सरकार इस संकट को अपने पूर्ववर्तियों द्वारा विरासत में छोड़ा गया बताते हैं। लेकिन एक हकीकत है कि इन बयानबाजियों से नागरिकों की असुरक्षा कम नहीं होती है। वहीं पंजाब के शीर्ष पुलिस अधिकारियों की दलील होती है कि पंजाब में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। लेकिन राज्य में बढ़ते अपराधों के संकट को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से जब हत्याएं राज्य के भीड़भाड़ वाले इलाकों में होती हैं तो लोगों का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। वहीं दूसरी ओर राज्य के पुलिस महानिदेशक की दलील है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ड्रोन के जरिये हथियार, गोला-बारूद और नशीले पदार्थ भेजकर सीमांत राज्य पंजाब के खिलाफ परोक्ष युद्ध छेड़े हुए है। निश्चय ही यह बात इस सीमावर्ती राज्य के लिये गंभीर चिंता का विषय है।इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के डीजीपी का पाक से अपराधियों को प्रश्रय देने वाला बयान चिंता बढ़ाने वाला है। खासकर उस राज्य के लिये, जिसने एक दशक तक उग्रवाद का सामना किया हो। लेकिन पंजाब के अपराध संकट के लिये केवल बाहरी कारकों को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। यह पुलिस विभाग की शिथिलता व खुफिया तंत्र की नाकामी के साथ सामाजिक विद्रूपताओं से भी उपजा संकट है। निस्संदेह, राज्य में अधिक बेरोजगारी है।

बंदूक संस्कृति का महिमामंडन भी गंभीर चुनौती है। वहीं दूसरी ओर युवाओं में रातों-रात धनवान बनने का लालच भी स्थानीय व क्षेत्रीय गिरोहों के पनपने की गंभीर वजह है। इसके अलावा पुलिस विभाग की संरचना की भी कुछ विसंगतियां सामने आती हैं। मसलन पुलिस व्यवस्था में उच्च अधिकारियों की तो अधिकता है मगर फील्ड स्टाफ पर काम का बोझ जरूरत से ज्यादा है। इसके अलावा पुलिस के कामकाज में राजनीतिक हस्तक्षेप के भी आरोप लगते रहे हैं। यही वजह है कि पुलिस, हासिल कुछ सफलताओं के बावजूद जनता का विश्वास जीतने के लिये संघर्ष कर रही है। लेकिन राजनीतिक बयानबाजियों से इतर राज्य सरकार को अपनी रणनीति में बदलाव लाकर धरातल पर गंभीर प्रयास करने होंगे। मौजूदा हालात में बहुआयामी रणनीति बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है।

मादुरो पर अमेरिकी हमले का फेंटानिल एंगल

पुष्परंजन

रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, '2024 में ड्रग ओवरडोज़ से 1,07,543 अमेरिकियों की मौत हुई, जिसमें फेंटेनाइल की वजह से 76,000 से ज्यादा मौतें हुईं। 2025 तक अमेरिका में ड्रग ओवरडोज़ से होने वाली मौतों की दर... रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, '2024 में ड्रग ओवरडोज़ से 1,07,543 अमेरिकियों की मौत हुई, जिसमें फेंटेनाइल की वजह से 76,000 से ज्यादा मौतें हुईं। 2025 तक अमेरिका में ड्रग ओवरडोज़ से होने वाली मौतों की दर दोगुनी से ज्यादा हो गई, इसका बड़ा कारण फेंटानिल की सप्लाई में बढ़ोतरी थी।'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर अमेरिका में नशीले कारोबार का सूत्रधार होने का आरोप लगाते रहे हैं, जिसके मूल में अमेरिकी युवाओं की रगों में जहर घोलने वाले उच्च तीव्रता के फेंटानिल की तस्करी शामिल रही है।

कुछ जानकार बताते हैं कि फेंटानिल ही अमेरिकी हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को फर्स्ट लेडी समेत हिरासत में लेने की सबसे बड़ी वजह रही है। जबकि वेनेजुएला के प्राकृतिक संसाधनों पर अमेरिकी लिप्सा किसी से?छिपी नहीं है। दरअसल, फेंटानिल, धीरे-धीरे दुनियाभर में सुर्खियों में नजर आ रहा है। अटलांटिक के इस पार यह दवा उतनी प्रचलित नहीं है, लेकिन अमेरिका के अनुभवों को देखते हुए यह स्थिति बदलने वाली है। फेंटानिल एक ऐसी समस्या है, जो शायद ही कभी हल होगी। यह ड्रग, हेरोइन से सौ गुना अधिक घातक है। इसके लिए गांजे या अफ़ीम की खेती की ज़रूरत नहीं है। लैब में तैयार फेन्टानिल, एक शक्तिशाली दर्द निवारक दवा है, जो मॉर्फिन से 50 गुना अधिक असरदार है। इसे मूल रूप से बेल्जियम के रसायनज्ञ पॉल जैन्सन द्वारा संश्लेषित किया गया था। इस दवा का उपयोग बड़ी सर्जरी के लिए होता रहा है, या फिर कैंसर से होने वाले असहनीय दर्द को कम करने में फेंटानिल उपयोगी है। भले ही रासायनिक रूप से इसका अफीम से कोई संबंध न हो, मगर यह दवा मॉर्फिन और हेरोइन के समान ओपिओइड रिसेप्टर्स के साथ रिएक्ट करती है, इसलिए इसे 'ओपिओइड' कहा जाता है। हमारे शरीर में ऐसे रसायन निकलते हैं, जो हमें अच्छा महसूस कराते हैं, ये उन गतिविधियों को बूस्ट करते हैं, जैसे खान-पान का स्वाद लेने, या फिर यौन व्यवहार में। शरीर में अच्छा महसूस कराने वाले रसायनों की मात्रा बढ़ने के कारण ही ओपिओइड की लत लोग लगा लेते हैं। मतलब, दर्द निवारण के लिए निर्मित फेंटानिल, मौज-मस्ती का साधन बन चुका है। गंभीर चुनौती यह है कि फेंटानिल की लत एक बार लग गई तो उससे छुटकारा मौत के बाद ही मिल पाता है। साल 1960 के दशक से ही फेंटानिल के मूल तत्व में कई बदलाव और सुधार किए गए हैं, जिससे इसके अनेक प्रकार के वेरिएंट तैयार हुए हैं, जिनका शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होता है। उदाहरण के लिए, 'कार्फेंटानिल', मॉर्फिन से हजारों गुना अधिक शक्तिशाली है। 'कार्फेंटानिल' का उपयोग, उन्मत हाथियों को शांत करने के लिए किया जाता है।

हेरोइन और कोकीन जैसी दवाओं के साथ फेंटानिल को मिलाने से इसकी शक्ति नाटकीय रूप से बढ़ जाती है। केवल दो मिलीग्राम फेंटानिल एक वयस्क के लिए घातक हो सकता है। फेंटानिल अमेरिका के ओपिओइड संकट का एक बड़ा हिस्सा बन चुका है।

सही से देखा जाये, तो हाल ही में यह खबर आई कि पिछले आठ महीनों में ब्रिटेन में फेंटानिल के कारण कम से कम 75 लोगों की मौत हो चुकी है। लेकिन, अमेरिका में इस दवा के कारण मरने वालों की संख्या के मुकाबले यह कुछ भी नहीं है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, '2024 में ड्रग ओवरडोज़ से 1,07,543 अमेरिकियों की मौत हुई, जिसमें फेंटेनाइल की वजह से 76,000 से ज्यादा मौतें हुईं।

गैर जिम्मेदार तंत्र की नाकामी से उपजा संकट

इंदौर का प्रदूषित जल

ज्ञानेन्द्र रावत

पेयजल लाइनों का पुराना होना, मरम्मत और देखभाल का अभाव, खराब योजना और डिजाइन, जल संचय का अपर्याप्त प्रबंधन, शुद्धीकरण के लिए व्यवस्था और निगरानी की कमी, और घरों से पानी के सैंपल लेकर जांच की व्यवस्था न होना, साथ ही भ्रष्टाचार - इन सभी कारणों से जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित होती है।बीते दिनों इंदौर शहर के भगीरथपुरा क्षेत्र में सीवर अवशेष प्रदूषित पानी के सेवन के कारण 16 से अधिक लोगों की मौतें हो चुकी हैं। अस्पतालों में लगभग 200 लोग भर्ती हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है और 32 मरीज आईसीयू में भर्ती हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि इंदौर में बोरिंग के पानी में भी मल-मूत्र का बैक्टीरिया पाया गया है। लोग अब एक सप्ताह से अधिक समय बाद भी साफ पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर हैं।

जब बात सबसे स्वच्छ शहर की हो, तो इस स्थिति में देश के अन्य शहरों की हालत क्या होगी? यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है, बल्कि गुजरात के गांधीनगर को भी इंदौर जैसे हालात का सामना करना पड़ रहा है। यहां दूषित पानी पीने से 100 से अधिक लोग बीमार होकर अस्पतालों में भर्ती हो चुके हैं। दिल्ली के लोग भी हर साल दूषित पेय जलापूर्ति की समस्या से जूझते हैं। कई बस्तियों में गंदे पानी की आपूर्ति का मामला अभी भी एनजीटी में विचाराधीन है। एनजीटी की सख्ती के बाद अब दिल्ली जल बोर्ड ने इस इलाके की दशकों पुरानी और क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को बदलने का काम शुरू किया है। यह बात भी गौर करने लायक है कि दिल्ली

के जल शोधन संयंत्रों में लिए गए 33 सैंपल फेल पाए गए हैं।ष्ठ इंदौर का मामला पूरी तरह से सरकारी लापरवाही का जीता-जागता सबूत है। काफी दिनों से इंदौर के भगीरथपुरा के लोग दूषित पानी की आपूर्ति की शिकायत कर रहे थे। लेकिन जिला प्रशासन और अधिकारियों पर उनकी शिकायतों का कोई असर ही नहीं हुआ। उनकी नींद तब खुली जब दूषित पानी पीने से दस्त और उलटी से लोगों की मौत होने लगी और पीड़ित लोगों की तादाद 3000 के पार पहुंच गयी। उस समय हाई कोर्ट ने तत्काल लोगों को साफ पीने का पानी मुहैया कराने और पीड़ितों का हरसंभव निःशुल्क इलाज कराने का आदेश दिया।

इसके साथ ही, नगर निगम के अपर आयुक्त, जल कार्य निगम के अधीक्षण अभियंता को निलंबित और आयुक्त को हटाने के साथ तीन नगर आयुक्तों की नियुक्ति कर दी। इलाके में सप्लाई किये जाने वाले नर्मदा के पानी के सैंपल लेने का काम शुरू किया। जांच में मल-मूत्र मिश्रित होने की पुष्टि हुई तब नगर निगम ने वहां के बोरिंग के पानी के सैंपल लिए। बोरिंग के 69 सैंपलों में से 35 जांच में फेल पाये गये। नर्मदा जल जांच के बाद अब बोरिंग के पानी में भी फीकल कोलीफार्म बैक्टीरिया की मौजूदगी सामने आयी है, जिससे हैजा फैला। इंदौर मेडिकल कालेज की रिपोर्ट भी पुष्टि करती है कि भगीरथपुरा में एक पाइपलाइन में लीकेज के कारण पीने का पानी दूषित हुआ और यह बीमारी फैली।

अस्पतालों में भर्ती पीड़ित रोगियों में टायफायड के लक्षण भी पाये गये हैं।

डाक्टरों का तो इन पीड़ितों में हैपेटाइटिस-ए जैसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने का अंदेशा है। वहीं उलटी-दस्त के संक्रमण के कारण कुछ मरीजों की किडनी भी प्रभावित हुई है।

ऐसे रोगियों की स्थिति सुधरने में दूसरे रोगियों की तुलना में काफी समय लगेगा। सरकार हाईकोर्ट में दावा कर रही है कि हालात काबू में हैं जबकि अस्पतालों में पीड़ितों के पहुंचने का सिलसिला अभी भी जारी है। दुखद यह है कि अभी भी प्रभावित क्षेत्र भगीरथपुरा में पेयजल संकट बरकरार है। एनएचआरसी ने भी इंदौर के भगीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर उनसे दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

480 मतदेय स्थलों पर ड्राफ्ट सूची प्रकाशित, 27 फरवरी तक नोटिस वितरण पूरा करने के निर्देश

दावे और आपत्तियां कैसे करें
मतदाता 06 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक नाम जोड़ने, संशोधन कराने या अपनी आपत्ति दर्ज कराने का काम कर सकते हैं।

जांच और सुनवाई
प्राप्त दावों और आपत्तियों की जांच, सुनवाई और निस्तारण की प्रक्रिया 06 जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक चलेगी।

अंतिम सूची का प्रकाशन
सभी सुधारों के बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 06 मार्च 2026 को किया जाएगा।

मतदाता सूची सुधार अभियान तेज, नोटिस वितरण जारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए गहन पुनरीक्षण का विशेष अभियान तेज कर दिया गया है। प्रथम चरण की प्रारंभिक सूची जारी होने के बाद बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता सामने आए हैं, जिनकी मैपिंग पूरी नहीं हो सकी है। ऐसे 21,878 मतदाताओं को चिन्हित करते हुए उन्हें नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। उपजिलाधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बिल्हौर संजीव दीक्षित के अनुसार, विधानसभा क्षेत्र के सभी 480 मतदेय स्थलों पर ड्राफ्ट मतदाता नामावली का प्रकाशन संबंधित बीएलओ, सुपरवाइजर और एईआरओ की देखरेख में संपन्न कराया गया। पुनरीक्षण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो।

उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने बिल्हौर इंटर कॉलेज और बीआरडी इंटर कॉलेज में स्थापित विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में सुधार के लिए दूसरे चरण में विशेष प्रबंध किए गए हैं।

84 हजार से अधिक मतदाता विभिन्न श्रेणियों में चिन्हित

- ड्राफ्ट निर्वाचक नामावली के प्रकाशन के दौरान 209 एवं बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न श्रेणियों के कुल 84,023 मतदाताओं को पृथक किया गया है। इनमें मृतक 16,537, अनुपस्थित 16,433, शिफ्टेड 43,039, डुप्लीकेट 5,778 तथा अन्य श्रेणी के 2,236 मतदाता शामिल हैं। यह प्रक्रिया विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के द्वितीय चरण के तहत की गई है

27 फरवरी तक नोटिस 9 अतिरिक्त अधिकारी

- मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के तहत बिना मैपिंग वाले 21,878 मतदाताओं को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया 27 फरवरी 2026 तक पूरी की जाएगी। आपत्तियों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रशासन ने 9 अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति की है, जो निर्धारित स्थलों पर सुनवाई कर मतदाताओं की समस्याओं का समाधान करेंगे।

लेखपाल को डायरी भेंट करते जिलाध्यक्ष मोहित सचान।

लेखपाल संघ ने अधिकारियों को डायरी पेन भेंट कर दी नववर्ष की शुभकामनाएं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

- तहसील सभागार में संघ की ओर से आयोजित किया कार्यक्रम
- लेखपालों को डायरी, कैलेंडर और जरूरी कार्य उपकरण भी वितरित

बिल्हौर (कानपुर)। नववर्ष के अवसर पर लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने तहसील के अधिकारियों के कार्यालय पहुंचकर उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दी और डायरी भेंट की। इसके बाद तहसील सभागार में संघ की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष मोहित सचान, तहसील अध्यक्ष जीतेन्द्र यादव और तहसील मंत्री सुनील चौधरी ने उपस्थित लेखपालों को नववर्ष की बधाई दी। इस दौरान सभी लेखपालों को कैलेंडर, डायरी, पेन और आवश्यक कार्य उपकरण भी वितरित किए गए। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि नववर्ष में कार्य को और अधिक जिम्मेदारी, पारदर्शिता और टीम भावना के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम में अनुपम पटेल, सूजीत कुशवाहा, सुनील कुमार शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संध्या, पूर्व तहसील मंत्री ललित सहित सैकड़ों लेखपाल मौजूद रहे।

बुद्ध चरित्र भागवत कथा 10 से शुरू, 14 जनवरी तक चलेगी

कथा सुनाने श्रीलंका से बिल्हौर आएंगे महापंडित भिक्षु प्रियदर्शी थेरो

बिल्हौर (कानपुर नगर)। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 9 वीं बुद्ध चरित्र भागवत कथा का आयोजन बिल्हौर इंटर कॉलेज के खेल मैदान में किया जाएगा। समन्वय सेवा संस्थान, इकाई कानपुर नगर के तत्वावधान में आयोजित इस पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम में श्रीलंका से पधारे सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु महापंडित सद्धर्माचार्य भिक्षु प्रियदर्शी थेरो द्वारा कथा वाचन किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार बुद्ध चरित्र भागवत कथा का आयोजन 10 जनवरी से 14 जनवरी 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक होगा।

कथा के दौरान भगवान बुद्ध के जीवन चरित्र, उनके उपदेशों के साथ करुणा, अहिंसा और सद्भाव के संदेशों पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा। संस्थान की ओर से क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील की गई है। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। संस्थान के महासचिव ने आयोजन को लेकर उपजिलाधिकारी डॉ संजीव दीक्षित तहसीलदार अनुभव चंद्रा एवं एसीपी मंजय सिंह से भेंट कर उन्हें विधिवत आमंत्रण पत्र भेंट किया।

इस दौरान बिल्हौर बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री महेंद्र सिंह कुशवाहा, अधिवक्ता राम पाल आनंद, विनय कुमार गौतम, जगत नारायण समेत संस्था के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

एसीपी मंजय सिंह को आमंत्रण पत्र भेंट करते आयोजक।

अमर शहीद मेजर सलमान खान का नाम अब बस की टिकट पर

» उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने लागू किया पुराना आदेश

» परिजनों ने पीएम मोदी और सीएम योगी का जताया आभार

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। देश के वीर सपूत अमर शहीद मेजर सलमान खान के सम्मान से जुड़ा एक महत्वपूर्ण और भावनात्मक विषय आखिरकार अपने अंजाम तक पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में उठे प्रश्न के बाद अब उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों के ई-टिकटों पर अमर शहीद मेजर सलमान खान का नाम अंकित किया जाने लगा है। यह आदेश 4 जनवरी से लागू कर दिया गया है।

विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक ने यह मामला सदन में उठाया था। उन्होंने बताया कि यूपी परिवहन निगम मुख्यालय ने 11 दिसंबर 2006 को परिपत्र जारी कर झकरकटी बस स्टेशन का नाम बदलकर अमर शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय बस स्टेशन, कानपुर नगर किया था।

साथ ही यह भी निर्देश दिया गया था कि यहां से जारी होने वाले ईटीआईएम टिकटों पर शहीद का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जाए।

हालांकि, वर्षों तक संबंधित एजेंसी द्वारा जारी ई-टिकटों पर यह नाम दर्ज नहीं किया जा रहा था। एमएलसी अरुण पाठक के हस्तक्षेप और प्रयासों के बाद अब यह आदेश पूरी तरह लागू हो सका है।

इस फैसले से शहीद मेजर सलमान खान के परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई। उनके पिता मुश्ताक खान, मां रशीदा बेगम, भाई इकरार खान और कामरान अहमद खान तथा बहनें अर्शिया खान व उमिया खान ने इसे अपने लिए ईद से भी बड़ा दिन बताया।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताते हुए कहा कि शहीदों का सच्चा सम्मान ऐसी सरकार में ही संभव हो पाता है।

दो साल बीते..झकरकटी बस अड्डा नहीं हो सका शिफ्ट

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। 143 करोड़ की झकरकटी बस अड्डा योजना एलिवेटेड रोड के रैंप और जमीन शिफ्टिंग के विवाद में अटक गई है। ठेकेदार कंपनी और परिवहन विभाग के बीच समन्वय की कमी से साल 2026 में भी काम शुरू होना चुनौतीपूर्ण लग रहा है। कानपुर में झकरकटी बस अड्डा निर्माण का कार्य साल 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। योजना को बने दो साल से ज्यादा समय हो गया लेकिन इसका निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हो सका है। मामला अभी भी ठेकेदार कंपनी और परिवहन निगम के बीच इसकी शिफ्टिंग पर अटका है। अगर यह कार्य शुरू भी हुआ तो इसके आधुनिक रूप लेने में दो साल और लगेंगे।

पीपीपी मॉडल के तहत झकरकटी बस अड्डा का पुनर्विकास कार्य 143 करोड़ से होना है। करीब दो साल पहले योजना बनी और इसका ठेका पंजाब की सीगल कंपनी को दिया गया। इसके लिए झकरकटी बस अड्डा दो साल के लिए दूसरी जगह शिफ्ट करना होगा। सीओडी पुल के पास रक्षा विभाग की जमीन देखी गई लेकिन रक्षा संपदा विभाग ने अधिक पेड़ होने का हवाला देकर इन्कार कर दिया। इसके बाद रेल बाजार थाने के सामने, पराग दूध डेयरी के पास रेलवे ग्राउंड और केडीए से जमीन देने के लिए कहा गया।

इस दौरान ठेकेदार कंपनी भी हीलाहवाली करती रही और परिवहन विभाग के साथ बैठक करने नहीं आई। मुख्यालय से सख्ती हुई तो आनन-फानन में परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक ने बस अड्डा सिग्नेचर सिटी ले जाने की हामी भर दी। सब कुछ तय हो गया तो कंपनी ने नया अड़ंगा लगा दिया कि रामादेवी से गोल चौराहा तक एलिवेटेड रोड बनना है। इसका रैंप झकरकटी के पास उतरेगा। इस वजह से बस अड्डा के प्रवेश द्वार पर रैंप आ जाएगा। चार फीट की जगह की वजह से अब शिफ्टिंग नहीं हो रही है। अब मामला फिर अटक गया है।

» 16 प्लेटफॉर्म होंगे जिनमें एसी और नॉन-एसी दोनों प्रकार की बसें चलेंगी।

» बड़ी स्क्रीन पर बसों के आने-जाने का समय और प्लेटफॉर्म नंबर प्रदर्शित होगा।

55183 वर्ग मीटर क्षेत्र में से 45 प्रतिशत हिस्सा व्यावसायिक उपयोग के लिए होगा।

» परिवहन निगम ने सिग्नेचर सिटी में बस अड्डे की शिफ्टिंग के लिए हामी भरी है।

» मुख्यालय भी ठेकेदार कंपनी से वार्ता कर काम शुरू करने को कह रहा है।

जिला प्रशासन भी बस अड्डा शिफ्टिंग के लिए दूसरी जगह तलाश रहा है।

» भरोसा इसलिए नहीं

ठेकेदार कंपनी अब बस अड्डा के मुख्य गेट पर चार फीट की जगह का अड़ंगा लगा रही है।

» परिवहन निगम माघ मेला तक बसों का संचालन झकरकटी से ही करने की घोषणा कर चुका है।जब तक बस अड्डा शिफ्ट नहीं होगा, निर्माण कार्य गति नहीं पकड़ सकेगा।

पत्नी मायके से नहीं लौटी, दुखी होकर युवक ने लगा ली फांसी

» दो दिन से कमरे में बंद था शव, बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को दी सूचना

» चार साल पहले किया था प्रेम विवाह, बच्चे को लेकर पत्नी चली गई थी मायके

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र के अंबेडकर नगर मोहल्ले में किराए के मकान में रह रहे एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान उन्नाव जनपद के शुक्लागंज निवासी अजय उर्फ कल्लू (32) के रूप में हुई है, जो पेशे से लोडर चालक था। उसका शव कमरे में साड़ी के फंदे से लटका मिला।

बताया गया कि अजय पिछले दो दिनों से कमरे से बाहर नहीं निकला था। मंगलवार शाम कमरे से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतरवाया। देर रात पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। अजय राजपुर के अंबेडकर नगर में शिक्षक मनफूल सिंह के मकान में किराए पर रहता था और लोडर चलाता था।

उसने 2022 में मध्य प्रदेश के रीवा निवासी साक्षी से प्रेम विवाह किया था। वह करीब दो वर्षों से पत्नी और दो बच्चों के साथ राजपुर में रह रहा था।

पड़ोसियों के अनुसार, करीब एक माह पूर्व अजय की पत्नी बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई थी, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था। बताया गया कि रविवार शाम अजय घर लौटा था, इसके बाद वह बाहर नहीं निकला। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के बहनोई उमाकांत ने पुलिस को बताया कि पत्नी से विवाद के बाद वह बच्चों के साथ मायके चली गई थी, जिससे अजय अवसाद में चला गया और उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस संबंध में थानाध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का सही समय और कारण स्पष्ट हो सकेगा।

पेड़ पर रस्सी बांध युवक ने लगाई फांसी

कानपुर देहात। बरौर थाना क्षेत्र के कलेनापुर गांव में शाम को एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन की। मृतक की पहचान कलेनालुर निवासी 20 वर्षीय सुरेंद्र के रूप में हुई है। सुरेंद्र ने मंगलवार शाम करीब पांच बजे मुरादपुर बंबा के पास अपने खेतों में खड़ी बेरी के पेड़ के सहारे फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया।परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अमिता वर्मा ने मौके पर पहुंचकर परिजनों तथा ग्रामीणों से घटना के बाबत जांच पड़ताल की। थाना प्रभारी ने बताया कि आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

कल से शुरू होगा मुफ्त राशन का वितरण, ई-केवाईसी कराना अनिवार्य

» नजदीकी कोटेदार के पास जाकर ई-केवाईसी करवाई जा सकती है: जिला पूर्ति अधिकारी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला पूर्ति अधिकारी अभिषेक कुरील ने सूचित किया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जनवरी 2026 माह का खाद्यान्न वितरण 08 जनवरी से 28 जनवरी तक किया जाएगा। इस दौरान अंत्योदय और पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को निर्धारित मानकों के अनुसार नि:शुल्क राशन प्रदान किया जाएगा। अंत्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड कुल 35 किलोग्राम राशन मिलेगा, जिसमें 14 किलो गेहूं, 11 किलो चावल और 10 किलो बाजरा शामिल है। वहीं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 5 किलोग्राम राशन दिया जाएगा, जिसमें 2 किलो गेहूं, 1 किलो चावल और 2 किलो बाजरा निर्धारित किया गया है। लाभार्थी इस अवधि में पोर्टेबिलिटी सुविधा का लाभ उठाते हुए किसी भी उचित दर दुकान से अपना राशन प्राप्त कर सकते हैं।

प्रशासन ने इस बार ई-केवाईसी प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया है। जिला पूर्ति अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जिन कार्डधारकों ने अभी तक अपनी यूनिट्स की ई-केवाईसी नहीं कराई है, वे नजदीकी कोटेदार के पास जाकर इसे तुरंत पूर्ण करवा लें। ई-केवाईसी न होने की स्थिति में संबंधित यूनिट का खाद्यान्न बाधित हो सकता है और भविष्य में राशन मिलने में समस्या आ सकती है। इसके अलावा जिन कार्डधारकों का आधार प्रमाणीकरण सफल नहीं हो पाता, वे 28 जनवरी को मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से अपना राशन ले सकेंगे। विभाग ने सभी उचित दर विक्रेताओं को पारदर्शिता के साथ वितरण सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

लापता होटल संचालक का शव नदी किनारे मिला

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

दिबियापुर में होटल चलाता था और 26 दिसंबर से लापता था, मंगलपुर थाने में दर्ज थी गुमशुदगी

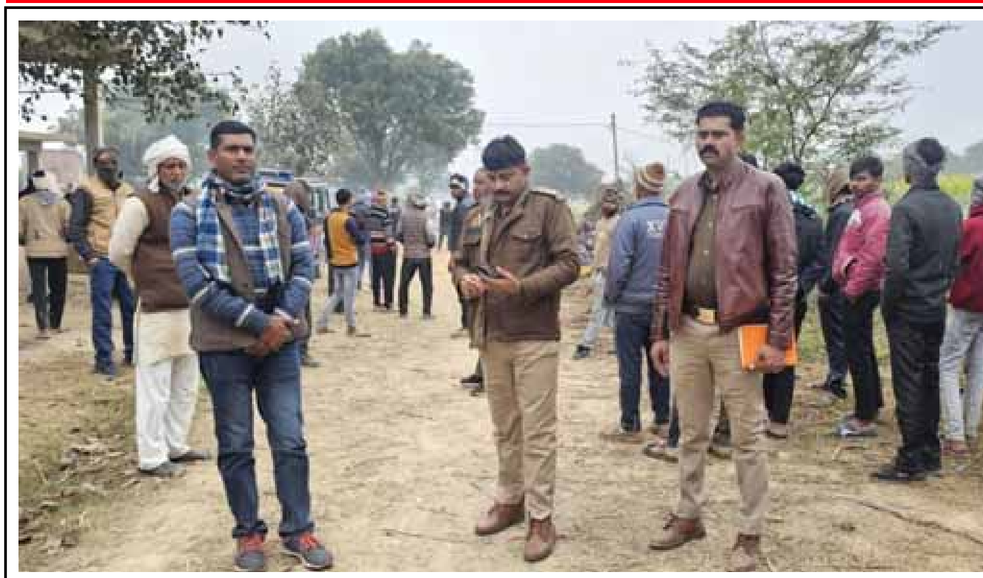

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र के बहवलपुर गांव में नदी किनारे मंगलवार सुबह सात दिन से लापता एक होटल संचालक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन में जुट गई है। मृतक की पहचान बहवलपुर गांव निवासी 26 वर्षीय बृजेंद्र कुमार के रूप में हुई है।

सुबह कुछ किसान खेतों की ओर जा रहे थे तभी उन्होंने बहबलपुर गांव के पास नदी किनारे शव पड़ा देखा। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों और इलाकाई लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों के मुताबिक बृजेंद्र पिछले एक सप्ताह से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता था।उसके भाई महेंद्र कुमार ने बीते 28 दिसंबर को बृजेंद्र की गुमशुदगी की रिपोर्ट मंगलपुर थाने में दर्ज कराई थी। बृजेंद्र दिबियापुर में कुछ लोगों के साथ एक होटल चलाता था। 26 दिसंबर की सुबह करीब 11 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल से बिना बताए घर से निकल गया था,जिसके बाद से उसका कोई पता नहीं लग पाया। सुबह नदी किनारे उसका संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला तो इलाके में सनसनी फैल गई। प्रभारी निरीक्षक महेश कुमार ने बताया कि मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | **(समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)** प्रादेशिक कार्यालय :4ए/5,119/10बी, खान बिल्डिंग, पार्क रोड हजरतगंज

गुस्साए सभासद कह रहे, अलाव की लकड़ी में हो रहा भ्रष्टाचार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नगर पंचायत के खिलाफ सभासदों ने खोला मोर्चा, धरने पर बैठे

कानपुर देहात। नगर पंचायत मूसानगर मे अलाव की लड़की मे हो रहे भ्रष्टाचार मे नगर पंचायत अधिकारियो कर्मचारियों की मिलीभगत के खिलाफ कई सभासदों ने मोर्चा खोलते हुए धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे सभासद सूरज सिंह चौहान अकरम पठान मतीन अहमद कल्लू सोनकर ने सीधे आरोप लगाते हुए कहा है कि मूसानगर नगर पंचायत के बाबू और एक सभासद ने मिलकर अपने चहेते ठेकेदार को अलाव की लकड़ी सप्लाई का ठेका दिया है।

वितरण के लिए नगर पंचायत के कई आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को लगाया गया है। गौसगंज की अधिकतर जगहों मे अलाव की लकड़ी नहीं डाली जाती है और मुंह देखा व्यवहार किया जा रहा है। अलाव के लिए सिर्फ जलाऊ लकड़ी डाली जा रही जिससे रात मे नगर मे अलाव नहीं जलते। जिससे राहगीरों आवारा पशुओ को भीषण सर्दी मे ठिठुरना पड़ता है

सभासदों के मुताबिक बाला जी धाम के पास एक गाय की मौत भी ठंड मे ठिठुरने से हो गई। नगर पंचायत क्षेत्र के बाहर दूसरे जिले मे अलाव की लकड़ी भेजी जा रही। जबकि नगर पंचायत द्वारा देर शाम को लकड़ी का वितरण करके सिर्फ खानापूर्ति की जाती है। रोजाना कुंतलों लकड़ी कागजो मे सिर्फ लिखित भेजी जा रही है और धरातल में कुछ नहीं नजर से रहा है। सभासदों का कहना है कि अलाव को लिए लकड़ी दिखाकर सिर्फ भ्रष्टाचार किया जा रहा। नगर पंचायत मे कही भी सार्वजनिक जगहों चौराहो मे भारी लकड़ी के अलाव नहीं लगे है। नगर पंचायत अधिकारी मनमानी कर रहे, सभी सभासद बोर्ड मीटिंग के लिए महीनो से प्रस्ताव भेज रहे लेकिन बैठक नहीं हो रही। जहाँ विकास की जरूरत है वहाँ कुछ नहीं हो रहा। नगर मे हर जगह पीने के पानी की किल्लत है लेकिन कोई योजना अमल मे नहीं लाई जा रही। सभासदो ने बताया की ज़ब तक अधिशासी अधिकारी के द्वारा सभी समस्याओं के समाधान का लिखित आश्वासन नहीं दिया जायेगा धरना जारी रहेगा।

क्या बोले ईओ...

ईओ नरेश सिंह का कहना है कि जो भी समस्या है उसका समाधान किया जा रहा है। रही बात अलाव की लकड़ी की कल ड्राइवर का अचानक मोबाइल स्विच ऑफ होने से गाड़ी लेट पहुंच पाई है। रात्रि 09 बजे के करीब लकड़ी पहुंच गई थी। और जो जो लोग नगर पंचायत पर आरोप लगा रहे हैं वह निराधार है।

राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में नितिन ने जिले का नाम रोशन किया

प्रतियोगिता में अपने नाम किए दो कांस्य पदक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात के सिकंदरा तहसील अंतर्गत हिसावा गांव के होनहार खिलाड़ी नितिन तिवारी ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में दो कांस्य पदक जीत कर जिले का नाम रोशन किया है।

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता फ्री स्टाइल किक बॉक्सिंग एसोसिएशन, राजस्थान द्वारा विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर में आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर से आए खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबलों के बीच नितिन तिवारी ने अपने दमखम, अनुशासन और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

उनकी इस सफलता से न केवल परिवार और गांव में खुशी का माहौल है, बल्कि पूरे जनपद में खेल प्रेमियों में उत्साह देखने को मिल रहा है।

ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय मंच पर पदक जीतना युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है।

नितिन तिवारी की इस उपलब्धि पर स्थानीय अनमोल तिवारी, लल्ला तिवारी, सुप्रिय तिवारी, वैभव तिवारी आदि जनप्रतिनिधियों, खेल प्रेमियों और ग्रामीणों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

खिलौना-पिचकारी की तीन मंजिला फैक्टरी में लगी आग

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अलीगढ़। फैक्टरी के बेसमेंट में अंदर काफी देर तक आग की लपटें उठती रही। रास्ता संकरा होने और गेट के पास सामान होने की वजह से टीम मुख्य गेट से अंदर नहीं जा पाई। बाद में टीम पीछे की दीवार को जेसीबी और हथौड़ें की मदद से तोड़कर पहुंची और आग बुझाई।

अलीगढ़ में थाना सासनी गेट क्षेत्र के पंच नगरी स्थित पुष्प विहार कॉलोनी में एक तमंचा खिलौना व पिचकारी बनाने की तीन मंजिला फैक्टरी में 6 जनवरी देर रात भीषण आग लग गई। बेसमेंट में मौजूद प्लास्टिक के रॉ मटेरियल की वजह से आग तेजी से फैल गई। दमकल की चार गाड़ियों ने करीब साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। तब तक लाखों के सामान जल गए।पुष्प विहार कॉलोनी निवासी विष्णु कुमार की घर के पास में ही विष्णु टॉयज के नाम से खिलौना फैक्टरी है। इसमें दीपावली पर बच्चों के तमंचा खिलौना और होली पर पिचकारी बनाने का काम होता है। विष्णु कुमार के अनुसार मंगलवार रात करीब 8ः30 बजे अचानक फैक्टरी के बेसमेंट के हिस्से में आग लग गई। पड़ोसियों ने आग की लपटें और धुंआ उठते देखा तो उन्होंने शोर मचाया और सूचना दी। पड़ोसियों की मदद से पहले उन्होंने अपने स्तर से आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग के विकराल हो जाने की स्थिति में दमकल को सूचना दी गई।विष्णु कुमार के अनुसार आग में लाखों रुपये का रॉ मैटेरियल समेत अन्य कीमती सामान जलकर राख हो गया है। फिर भी हुए नुकसान का आकलन सुबह तक ही हो सकेगा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि सूचना पर चार दमकल के साथ वे मौके पर पहुंचे।

अखिलेश के करीबी सपा नेता हाजी रजा की 30 करोड़ की संपति जब्त

गैंगस्टर एक्ट की धारा 14 (1) के तहत की गई कार्रवाई

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फतेहपुर। फतेहपुर जिले के चर्चित सपा नेता व गैंगस्टर हाजी रज़ा की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं. एक दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमों में नामजद हाजी रज़ा के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 30 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को सीज कर दिया है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी रवीन्द्र सिंह के निर्देश पर गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत की गई।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ हाजी रजा (फाइल फोटो)

जानकारी के अनुसार, जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद से ही हाजी रज़ा भूमिगत चल रहा है, लेकिन प्रशासन ने उनकी नामी–बेनामी संपत्तियों का खुलासा करते हुए दो दिनों के भीतर बड़ा शिकंजा कस दिया।

जांच में सामने आया कि हाजी रज़ा ने अपने नौकरों, ड्राइवर और भाई के नाम पर बेशकीमती जमीनें खरीद रखी थीं, जिन्हें बेनामी मानते हुए कुर्क किया गया है।

जमीन का मार्केट रेट 25 से 30 करोड़ रुपये

प्रशासन द्वारा सीज की गई जमीनों का सर्किल रेट करीब 10 करोड़ रुपये आंका गया है, लेकिन इसका मार्केट रेट 25 से 30 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। ये जमीनें शहर के प्रमुख और महंगे इलाकों नासिरपुर, पीरनपुर, अहमदपुर, अजगवां, शेखपुर उनवां और चक बिसौली में स्थित हैं, जहां रज़ा के गुर्गे व सहयोगी प्लाटिंग का काम कर रहे थे।

जिला प्रशासन ने इन सभी जमीनों पर पुलिस कब्जा का बोर्ड लगाकर संपत्ति सीज कर दी है और फिलहाल इन्हें पुलिस अभिरक्षा में ले लिया गया है।

इस कार्रवाई से रज़ा समर्थकों में हड़कंप मच गया है। सदर कोतवाली क्षेत्र में हुई इस बड़ी कार्रवाई के दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सीओ और कोतवाल तारकेश्वर राय भारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे. जिला प्रशासन ने साफ संकेत दे दिया है कि अपराध से अर्जित संपत्तियों पर आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी.

दुष्कर्मी को 55 दिन में फांसी की सजा

त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 55 दिनों के भीतर दुष्कर्मी को फांसी की सजा दिलाकर न्याय की मिसाल पेश की

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बांदा। महिला सुरक्षा और अपराध नियंत्रण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति एक बार फिर जमीन पर असरदार साबित हुई है। मिशन शक्ति अभियान और ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत बांदा पुलिस ने एक जघन्य अपराध में त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 55 दिनों के भीतर दुष्कर्मी को फांसी की सजा दिलाकर न्याय की मिसाल पेश की है। थाना कालिंजर क्षेत्र में छह वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुए अमानवीय दुष्कर्म के मामले में पुलिस की तत्परता, वैज्ञानिक विवेचना और सशक्त अभियोजन के चलते न्यायालय ने अभियुक्त को मृत्युदंड एवं 25 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है।

घटना 25 जुलाई 2025 की है। थाना कालिंजर क्षेत्र निवासी अभियुक्त अमित पुत्र बाबू, निवासी महोरछा, ने पूर्व परिचय का लाभ उठाकर मासूम बच्ची को बहला–फुसलाकर अपने घर ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। गंभीर अवस्था में बच्ची को छोड़कर अभियुक्त फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल बच्ची को जिला अस्पताल पहुंचाकर उपचार कराया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए थाना कालिंजर और विशेष टीमों का गठन किया गया। 26 जुलाई 2025 को विश्वसनीय सूचना के आधार पर ग्राम गुड़ाकला में गुड़ा मंदिर रोड पुलिया के पास अभियुक्त को घेराबंदी कर पकड़ने का प्रयास किया गया। इस दौरान अभियुक्त ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर उपचार के पश्चात जेल भेज दिया गया।

मामले की विवेचना तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक थाना कालिंजर दीपेंद्र कुमार सिंह द्वारा अत्यंत संवेदनशीलता, तत्परता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से की गई। चिकित्सकीय, फॉरेंसिक और तकनीकी साक्ष्यों को संकलित करते हुए मात्र 20 दिनों में आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया।

डीजीसी क्रिमिनल विजय बहादुर सिंह के नेतृत्व में लोक अभियोजक कमल सिंह गौतम द्वारा की गई सशक्त पैरवी, कोर्ट मोहर्रिर जितेंद्र कुमार और पैरोकार चंदन सिंह के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप आरोप विरचन के केवल 55 दिनों के भीतर न्यायालय ने अभियुक्त को दोषसिद्ध मानते हुए फांसी की सजा सुनाई।

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने इस सफलता पर गिरफ्तारी, विवेचना और अभियोजन से जुड़ी पूरी टीम की सराहना करते हुए बधाई दी। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि महिला संबंधी अपराधों में लिप्त अपराधियों के खिलाफ कठोरतम और उदाहरणात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पीड़िताओं को शीघ्र न्याय दिलाना और अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। बांदा पुलिस महिला सुरक्षा और आमजन की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस का AI डीपफेक वीडियो आया, सियासी भूचाल लाया

भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार किए गए एक कथित डीपफेक वीडियो को लेकर देश की राजनीति और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े हलकों में गंभीर बहस छिड़ गई है। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी के नेता डॉ. रजनीश सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत पुलिस, साइबर क्राइम एजेंसियों और भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत की गई है। शिकायत में एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के आधिकारिक और सत्यापित सोशल मीडिया अकाउंट से कथित एआई जेनरेटेड वीडियो के प्रसारण पर गंभीर आपत्ति जताई गई है।

प्रधानमंत्री से जुड़ा कथित फर्जी वीडियो

शिकायत के अनुसार, 06 जनवरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग (पूर्व में ट्विटर) पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आधिकारिक अकाउंट से करीब 43 सेकंड का वीडियो पोस्ट किया गया। आरोप है कि यह वीडियो डीपफेक तकनीक से तैयार किया गया है। वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आपस में फोन पर बातचीत करते हुए दिखाया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस तरह की किसी बातचीत का कोई आधिकारिक या सार्वजनिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है, जिससे यह वीडियो काल्पनिक, भ्रामक और तथ्यहीन प्रतीत होता है।

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को भी...

डॉ. रजनीश सिंह ने अपनी शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि यह वीडियो किसी निजी या अज्ञात अकाउंट से नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से प्रसारित किया गया है। ऐसे में इसकी जवाबदेही शीर्ष नेतृत्व तक तय किए जाने की आवश्यकता है। इसी आधार पर शिकायत में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की भूमिका को जांच के दायरे में लाने का अनुरोध किया गया है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि उक्त सामग्री के निर्माण, अनुमोदन और प्रकाशन में उनकी कोई जानकारी, सहमति या निर्देश शामिल था या नहीं।शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस तरह की सामग्री न केवल राष्ट्रीय हित, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को भी प्रभावित कर सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि डीपफेक जैसी तकनीक का अनियंत्रित उपयोग सूचना की सत्यता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और सार्वजनिक विश्वास के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। शिकायत दर्ज होने के बाद मामला अब साइबर क्राइम एजेंसियों, तकनीकी विशेषज्ञों और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के संज्ञान में है। आने वाले दिनों में तकनीकी जांच और विधिक प्रक्रिया आगे बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए ग्राउंड जीरो पर प्रशासन

माघ मेले को लेकर प्रशासन अलर्ट

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में आगामी माघ मेले को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। मेले के दौरान उमड़ने वाली भारी भीड़ और विशिष्ट स्नान पर्वों को देखते हुए प्रशासनिक अमला ग्राउंड जीरो पर उतर आया है और तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया जा रहा है।माघ माह में प्रयागराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचते हैं। सरयू स्नान के उपरांत श्रद्धालु हनुमानगढ़ी, श्रीराम जन्मभूमि, नागेश्वरनाथ समेत प्रमुख मठङ्कमंदिरों में दर्शन करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों ने राम की पैड़ी स्थित सरयू स्नान घाटों और रामनगरी के प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया।

अयोध्या मंडल के कमिश्नर राजेश कुमार ने बताया कि माघ मेले में श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक रहने की संभावना है। उन्होंने कहा माघ मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसी को लेकर अधिकारियों के साथ स्नान घाटों और आवागमन मार्गों का निरीक्षण किया गया है। श्रद्धालुओं के लिए रूट फाइनल कर दिए गए हैं ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।वहीं एडीजी/आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि माघ माह में मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी जैसे विशिष्ट स्नान पर्व पड़ते हैं, जिनमें अयोध्या में भारी भीड़ उमड़ती है।उन्होंने कहा इन पर्वों को देखते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया जा रहा है। क्राउड मैनेजमेंट के सभी पॉइंट्स पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से श्रद्धालुओं की आमद को कैसे बेहतर तरीके से मैनेज किया जाए और उन्हें अधिकतम सुविधा कैसे दी जाए, इस पर काम किया जा रहा है।प्रशासन का दावा है कि माघ मेले के दौरान सुरक्षा, यातायात, स्नान व्यवस्था और दर्शन मार्ग को लेकर पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित और सुगम तरीके से दर्शनङ्कस्नान कर सकें।

महाभारत फेम अभिनेता फिरोज़ खान ने किए रामलला के दर्शन

रामनगरी में अर्जुन का नमन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

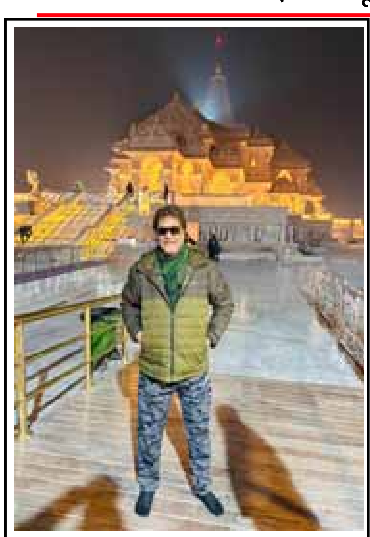

अयोध्या।महाभारत धारावाहिक में अर्जुन की भूमिका से घर-घर में पहचान बनाने वाले प्रसिद्ध अभिनेता फिरोज़ ख़ान ने रामनगरी अयोध्या पहुंचकर श्रीरामलला सरकार के दर्शन-पूजन किए। मंदिर परिसर में उन्होंने लगभग एक घंटे तक समय व्यतीत किया और आध्यात्मिक वातावरण में गहरी श्रद्धा व आनंद की अनुभूति की। दर्शन के उपरांत अभिनेता फिरोज़ ख़ान ने राम मंदिर की भव्यता, अनुशासित व्यवस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा की सराहना की। उन्होंने कहा कि अयोध्या आकर मन को शांति और आत्मिक संतोष मिला।उनके साथ एचडीएफसी बैंक के शाखा प्रबंधक अंबुज सिंह एवं एरिया हेड अभिषेक निगम भी उपस्थित रहे। दर्शन-पूजन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और पूरे वातावरण में भक्तिभाव रहा।

कानून के दायरे में पुलिस की कार्रवाई अफवाह फैलाने वालों की खुली पोल

» अहम तथ्य को दबाने की कोशिश की जा रही

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में साधु गोपालदास उर्फ विजेता कुशवाहा से जुड़े मामले में पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े करने की कोशिशें अब दम तोड़ती दिख रही हैं। साधु गोपालदास उर्फ विजेता कुशवाहा पर हुए जानलेवा हमले के मामले में एक बेहद अहम तथ्य सामने आया है, जिसे दबाने की कोशिशें की जा रही थीं। पुलिस के अनुसार आशीष तिवारी जिसके खिलाफ पहले से ही 6 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं का भाई अविनाश तिवारी इस हमले में नामजद है। अपराध का यह इतिहास बताता है कि मामला कोई आकस्मिक विवाद नहीं, बल्कि आपराधिक प्रवृत्ति का सिलसिला है। ऐसे में कोतवाली अयोध्या पुलिस द्वारा तहरीर दर्ज करना, जांच शुरू करना और सुरक्षा के एहतियाती कदम उठाना पूरी तरह विधिसम्मत और आवश्यक है।दिनांक 03 जनवरी को पीड़ित की तहरीर विधिवत दर्ज की गई, जिसे हेड मोहर्रिर द्वारा अक्षरशः कंप्यूटर में अंकित किए जाने का प्रमाण मौजूद है। पुलिस ने मामले को गंभीर, पूर्वनियोजित और सामूहिक अपराध मानते हुए जांच आगे बढ़ाई है ऐसे में जिस आरोपी के परिवार पर पहले से छह-छह मुकदमे दर्ज हों, उस पर सख़्ती को ज्यादती बताना दरअसल कानून को कमजोर करने की कोशिश है। और जो इसे गलत ठहराने की कोशिश कर रहे हैं, वे अपराध के साथ खड़े नजर आते हैं।

वायरल वीडियो पर स्थिति स्पष्ट

लक्ष्मण घाट चौकी से जुड़ा जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है, उसे लेकर पुलिस स्तर पर तथ्यात्मक जांच की जा रही है। बिना पुष्टि के वीडियो को आधार बनाकर पुलिस की छवि धूमिल करने का प्रयास निंदनीय और गैर-जिम्मेदाराना है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दबिश और पूछताछ परिस्थिति के अनुरूप की जाती है, जिसे तोड़-मरोड़कर पेश करना दुर्भावनापूर्ण है।

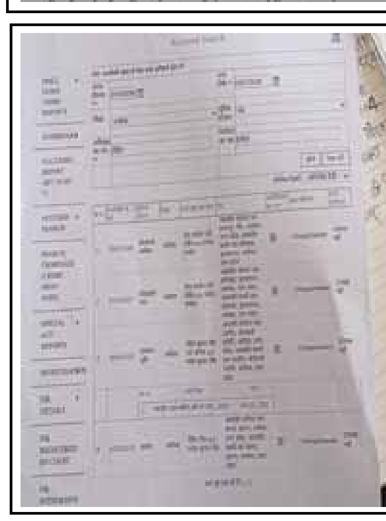

शिक्षामित्रों को जल्द मिलेगी मनचाहे विद्यालय में तैनाती की खुशखबरी

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा मानदेय और सुरक्षा पर गंभीरता से काम, राजनीति करने वालों से सावधान रहने की नसीहत

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने स्पष्ट किया है कि शिक्षामित्र सरकार के लिए समस्या नहीं, बल्कि समाधान हैं और उनके हितों को लेकर सरकार पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही शिक्षामित्रों को मनचाहे विद्यालय में तैनाती की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही मानदेय, सम्मान और सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर सरकार गंभीरता से काम कर रही है।

मंगलवार को विश्वेश्वरैया ऑडिटोरियम में उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ और परिषदीय अनुदेशक संघ द्वारा आयोजित सम्मान सम्मेलन में मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि यदि शिक्षामित्र एकजुट होकर सरकार के साथ खड़े होते, तो उनकी कई समस्याओं का समाधान अब तक हो चुका होता। उन्होंने दो टूक कहा कि कुछ लोग शिक्षामित्रों की राजनीति कर उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं और उन्हें सरकार व समाज के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे शिक्षामित्रों को कोई स्थायी लाभ नहीं मिल सकता। मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों के लिए घोषित कैशलेस चिकित्सा सुविधा का जिक्र करते हुए इसे सरकार की संवेदनशीलता और कर्मचारियों के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार जो कहती है, उसे धरातल पर उतारती है। एमएलसी अवनीश कुमार सिंह और एमएलसी मानवेंद्र सिंह ने भी शिक्षामित्रों से सरकार के खिलाफ फैलाई जा रही गलत धारणाओं को तोड़ने और सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। सम्मेलन में प्रदेशभर से आए शिक्षामित्रों और अनुदेशकों ने एकजुटता दिखाई और भाजपा, पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थन में नारे लगाए। कार्यक्रम का संचालन परिषद अध्यक्ष शिव शुक्ला ने किया।

देवरिया जेल में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की तबीयत बिगड़ी, गोरखपुर रेफर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

➪ जमानत याचिका खारिज होने के बाद बढ़ी मुश्किलें, रिमांड पर फैसला बाकी

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जेल में बंद पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर की मंगलवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। हालत बिगड़ने पर जेल प्रशासन ने उन्हें तत्काल देवरिया स्थित महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

इससे पहले मंगलवार को धोखाधड़ी के मामले में अमिताभ ठाकुर की जमानत याचिका पर सीजेएम न्यायालय में सुनवाई हुई, जहां अदालत ने उन्हें कोई राहत नहीं दी और जमानत याचिका खारिज कर दी। वहीं, उनकी रिमांड को लेकर आज फैसला आने की संभावना है। बताया जा रहा है कि न्यायिक प्रक्रिया के बीच ही देर रात उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई, जिसके बाद जेल प्रशासन ने एहतियातन उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में उनका इलाज चल रहा है। प्रशासन की ओर से स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

भारत-बांग्लादेश तनाव का असर क्रिकेट पर, बीपीएल से भारतीय एंकर हटाई गई

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

➪ मुस्तफिजुर के आईपीएल से बाहर होने के बाद बीसीबी का बड़ा कदम, रिद्धिमा पाठक पैनल से बाहर

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते कूटनीतिक तनाव का असर अब क्रिकेट जगत में भी साफ दिखाई देने लगा है। आईपीएल से बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को हटाए जाने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कड़ा रुख अपनाया है। इसी क्रम में बुधवार को बीसीबी ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के ब्रॉडकास्ट पैनल से भारतीय स्पोर्ट्स एंकर रिद्धिमा पाठक को हटाने का फैसला लिया।

बीसीबी अधिकारियों ने बताया कि हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, हालांकि इसके पीछे की विस्तृत वजहें सार्वजनिक नहीं की गई हैं। रिद्धिमा पाठक, जो भारत में स्टार स्पोर्ट्स और सोनी स्पोर्ट्स जैसे बड़े नेटवर्क्स से जुड़ी रही हैं, बीपीएल 2025-26 में पाकिस्तान की ज़ैनब अब्बास के साथ सह-मेजबान की भूमिका निभा रही थीं। अब उनका कार्यकाल बीच में ही समाप्त कर दिया गया है।इससे पहले बीसीबी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में भारत और श्रीलंका में प्रस्तावित आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर भी

गंभीर चिंता जताई गई थी। बोर्ड ने भारत में बांग्लादेशी टीम की सुरक्षा को लेकर आशंकाएं व्यक्त करते हुए कहा कि मौजूदा हालात में राष्ट्रीय टीम भारत जाकर टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेगी। क्रिकेट से जुड़े इन फैसलों ने साफ कर दिया है कि भारत-बांग्लादेश के बीच जारी तनाव अब खेल और प्रसारण जैसे मंचों तक पहुंच चुका है, जिसका असर आने वाले अंतरराष्ट्रीय आयोजनों पर भी पड़ सकता है।

ड्राफ्ट मतदाता सूची: सियासी धड़कन तेज, 2.89 करोड़ नाम हटे

मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

लखनऊ। चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची ने सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक सभी राजनीतिक दलों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। सूची में 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कटने की जानकारी सामने आने के बाद सियासी दलों के सामने अपने-अपने मतदाताओं की पहचान और सत्यापन सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। बूथ स्तर पर समीक्षा कर यह पता लगाना अब जरूरी हो गया है कि कटे हुए नाम किस दल के प्रभाव क्षेत्र से जुड़े थे। ऐसे में कई विधानसभा सीटों पर राजनीतिक समीकरण बदलने की आशंका जताई जा रही है।

ड्राफ्ट सूची के अनुसार, मिश्रित आबादी वाले बड़े शहरों में सबसे ज्यादा मतदाताओं के नाम कटे हैं। लखनऊ में करीब 12 लाख और प्रयागराज में 11.56 लाख नाम हटाए गए हैं। इसके अलावा कानपुर नगर, आगरा, गाजियाबाद, बरेली, मेरठ और गोरखपुर भी उन जिलों में शामिल हैं, जहां बड़ी संख्या में मतदाता सूची से बाहर हुए हैं। आगरा की नौ विधानसभा सीटों पर 2022 में भाजपा ने जीत दर्ज की थी, ऐसे में यहां करीब 8.5 लाख नाम कटने से पार्टी के सामने यह पता लगाना कठिन हो गया है कि कटे वोट उसके मजबूत बूथों से हैं या विपक्ष के गढ़ से। प्रयागराज में भी यही स्थिति है।

क्षेत्रवार आंकड़ों पर नजर डालें तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लगभग एक करोड़ मतदाताओं के नाम कटे हैं, जिससे आगामी चुनावों में यहां सबसे अधिक असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। मध्य यूपी में करीब 95 लाख, पूर्वांचल में लगभग 70 लाख और बुंदेलखंड में सबसे कम 12 से 13 लाख नाम कटे हैं। यदि नोटिस के बावजूद करीब 1.04 करोड़ लोग प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाए, तो यह संख्या चार करोड़ तक पहुंच सकती है।

एसआईआर से बदला चुनावी खेल

☛ ड्राफ्ट मतदाता सूची में 2.89 करोड़ नाम कटने के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में सबसे बड़ा मुद्दा बूथ स्तर पर मतदाताओं की पहचान बन गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सामने चुनौती है कि कटे नाम किस दल के समर्थक थे और किन विधानसभा क्षेत्रों में असर पड़ेगा। मिश्रित आबादी वाले शहरी इलाकों में सबसे ज्यादा नाम कटने से चुनावी समीकरण बदलने की आशंका है। यही कारण है कि सभी दल फार्म-6 और आपत्तियों के जरिए अपने वोटरों को दोबारा सूची में जोड़ने में जुट गए हैं। यह विशेष गहन पुनरीक्षण अब सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव की दिशा तय करने वाला अहम राजनीतिक कारक बन गया है।

2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को लगभग 3.50 करोड़ वोट (41.29 फीसदी) और सपा को करीब 2.95 करोड़ वोट (32.06 फीसदी) मिले थे। बसपा को एक सीट के बावजूद लगभग 1.19 करोड़ वोट हासिल हुए थे। ऐसे में एसआईआर का सीधा असर इन प्रमुख दलों पर पड़ना तय माना जा रहा है।

छोटे दलों के लिए भी स्थिति कम चुनौतीपूर्ण नहीं है, क्योंकि सीमित वोट बैंक और कम अंतर से जीती गई सीटों पर यह बदलाव बड़ा सियासी तनाव पैदा कर सकता है। अब यह साफ होगा कि इस पुनरीक्षण से किसे फायदा हुआ और किसे नुकसान, इसका फैसला 2027 विधानसभा चुनाव के नतीजे ही करेंगे।

☛ शहरी और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में सबसे ज्यादा नाम कटने से बढ़ी सियासी बेचैनी

☛ बूथ स्तर पर मतदाताओं की पहचान में जुटे दल, 2027 के समीकरण बदलने की आशंका